आँसुओं से धोने दे | By Mukesh Bagda |

रो-रो कर तेरी याद में अब तो
बन गया पागल ओ कान्हा
बरस रहे हैं नैन ये
जैसे बादल दीवाना
****
आँसुओं से धोने दे
चरणों को श्याम आज
अँखियों से ग़म की
कब से बहे धार

ज़ालिम ज़माने ने
ग़म दिए कितने
अब तो पिघल गए
सब मेरे सपने
क़िस्मत के मारों को
मिलता है तेरा प्यार
अँखियों से ग़म की
कब से बहे धार

लुट गई दुनिया में
दास की खुशियाँ
मेरे लिए किस
काम की दुनिया
सारी उमर अब तो
जपना है तेरा नाम
अँखियों से ग़म की
कब से बहे धार

आँखें न बहती तो
तू कहाँ मिलता
मुझको कन्हैया का
दर कहाँ मिलता
हर्ष दीवाने की
रखना ज़रा तू लाज
अँखियों से ग़म की
कब से बहे धार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%81%e0%a4%b8%e0%a5%81%e0%a4%93%e0%a4%82-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%a7%e0%a5%8b%e0%a4%a8%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a5%87-by-mukesh-bagda/